ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

ASVP

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA

(UGC Peer Reviewed Journal)

Chief Patron :
Prof. Kalplata Pandey
Vice Chancellor, Jannayak Chandra Shekhar University, Ballia (U.P.) India

Patron:
Prof. Manvendra Pratap Singh
HOD- Sociology, Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Gorakhpur (U.P.) India

President:
DR. Ram Naresh Yadav
Asso. Prof., Deptt. Of Sociology, S.M.M.T. P.G. College, Ballia, (U.P.) India

Managing Director/Chief Editor/Publisher
DR. Rajeev Kumar Srivastava
Asst. Prof. Deptt. Of Sociology, Shri Sudrisht Baba P.G. College, RaniGanj, Ballia, (U.P.) India.
Aryavart Shodh Vikas Sansthan, Ballia, (U.P.) India.

Managing Editor:
Prof. Pradeep Kumar Sharma.
Registrar, Post Graduate and Research Institute. Dakhsin Bharat Hindi Prachar Sabha,
Tyagrai Nagar, Chennai (Tamilnadu) India.

Guest Editor :
Prof. Hu Rui
Asso. Prof. Deptt. Of Hindi, Vice- Dean, Faculty of Foreign Studies, Guangdong Univercity of Foreign Studies, China
Associate Editor :
DR. Vivek Mani Tripathi
Asst. Prof. (Indology), Faculty of Afro-Asian Languages and cultures,
Guangdong University of Foreign Studies, Guangzhou, Guangdong- China

Guest Editor:
Prof. (DR.) A.R. Khan
Dean- Faculty of Education B R A Bihar University, Muzaffarpur (Bihar) India
Prof. Sarfaraj Ahamad
Ex. HOD- Deptt. of Sociology, Patna University, Patna (Bihar) India
Prof. Mohd. Sarmad Jamal
Principal- Magadh College of Education, Gaya (Bihar) India
Co-ordinating Editor:
DR. Dilip Srivastava
Dean- Art & Law Faculty, Principal, S.M.M.T.D. College, Ballia (U.P.) India
DR. Sudha Trivedi
HOD- Deptt. of Hindi, MOP Women's College, Nugabankam, Chennai (Tamilnadu) India.
Technical Editor:
ShashiKant Tripathi
Deptt. Food Science and Technology, BBAU Central University Vidya , Vihar Colony, Locknow

Treasurer / Section Editor (Art and Huminities / Education):
Archana Srivastava , Aryavart Shodh Vikas Sansthan, & Aryavart Shodh Vikas Patrika Ballia (U.P.) India.

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

Brief Contents

1. **A Survey of Functionalities of Virtual Network** 1–7
-Farheen Ahmad , Bodh Gaya (Bihar)
2. **New England and the Robert Frost** 8–10
-Jyotsna Kumari, Madhubani (Bihar)
3. **Environmental Education : Concept, Need & Challenges** 11–13
-Arvind Prasad, Gorakhpur (U.P.)
4. **RedefiningNationalism, Its Origin and assumption** 14–16
-Harish Kumar, Deoria (U.P.)
5. **Effect Of Role Conflict And Role Ambiguity On Bank Officers In Health And Home Adjustment** 17–18
-Shikha Srivastava, Ballia (U.P.)
6. **Development of a new method for Micro determination of Carbonyl Compounds** 19–21
-Kumari Anita Sinha, Gaya (Bihar)
7. आधुनिक सन्दर्भ में रामचरितमानस की प्रासंगिकता 22–25
–प्रियंका सिंह, प्रयागराज (उ0प्र0)
8. वर्तमान परिपेक्ष्य में दिव्यांग विद्यार्थियों की शैक्षिक चुनौतियों का अध्ययन 26–27
–1. वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय 2. मुरलीधर सिंह, चित्रकूट (उ0प्र0)
9. स्वाभाविक और आदत के आधार पर नशींली दवाओं के प्रयोग करने की लत 28–30
–आनन्द कुमार सिंह, जौनपुर (उ0प्र0)
10. रीतिकाव्य के शब्दकला–नायक : बिहारी 31–34
–यामिनी राय, गोरखपुर (उ0प्र0)
11. निबन्ध साहित्य में महादेवी वर्मा के निबन्धों का विश्लेषण 35–36
–प्रेरणा गौड़ , जोधपुर (राजस्थान)
12. भक्तिकाव्य और कबीर की भक्ति 37–39
–निमिशा सिंह , गोरखपुर (उ0प्र0)
13. भारत की विदेश नीति में कूटनीतिक भूमिका 40–41
–ब्रजेश कुमार यादव , देवरिया (उ0प्र0)
14. **Demography Laced Surrogate Social Contact Networks for Epidemic Dynamics** 42–46
-Farheen Ahmad, Gaya (Bihar)
15. मानवाधिकार एवं महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति 47–48
–प्रमोद कुमार चौरसिया, गोरखपुर (उ0प्र0)
16. **Indian and Chinese Buddhism** 49–58
-Rajeev Ranjan Kumar and Shixian Chen, Guangzhou, China
17. भारत की कला एवं संस्कृति के विकास में मगध का योगदान 59–61
–रंजन कुमार, गया (बिहार)
18. जनाक्रोश 62–64
–बजरंग बहादुर सिंह, आजमगढ़ (उ0प्र0)
19. भीष्म साहनी के उपन्यास 'बसंती' में एक अनुशीलन (विशेष संदर्भ निम्न मध्यवर्गीय संघर्षशील नारी) 65–68
–किरन यादव, जौनपुर (उ0प्र0)
20. 'छायावाद'' एक मूल्यांकन 69–71
–अनीता सिंह, बस्ती (उ0प्र0)

21. **Child Sexual Abuse : A social issue shrouded in silence** 72–75
-Susmita Shukla, Varanasi (U.P.)

22. **Education: A Tool For Environmental Conservation** 76–80
-Shazia Fatma , Saran (Bihar)

23. **Pandemic Covid-19: Present and future challenges in Education** 81–84
-Archana Pandey , Gorakhpur (U.P.)

24. ग्रामीण समाज की अवासीय दशाऐं 85–87
–स्मिता यादव, आजमगढ़ (उ०प्र०)

25. इक्कीसवीं सदी के हिंदी सिनेमा में स्त्री–अस्मिता के निहितार्थ 88–91
–विजयलक्ष्मी पाण्डेय, (दिल्ली)

26. वैदिक साहित्य में कर्म और जीवन की श्रेष्ठता 92–94
–रचना शर्मा, ग्वालियर (म०प्र०)

27. "हिन्दी काव्य साहित्य का अमर युग–छायावाद" 95–97
–मुकेश कुमार मिश्र, गाँधी नगर बस्ती (उ०प्र०)

28. उत्तराखण्ड के टिहरी गढ़वाल में जनसंख्या वृद्धि का स्थानिक–कालिक विश्लेषणात्मक अध्ययन 98–101
–सूरत सिंह बलूड़ी, देहरादून (उत्तराखण्ड)

29. 'अज्ञेय जी' के काव्य में 'पद–पूर्वार्द्ध वक्रता' एक अनुशीलन 102–108
–सुरेन्द्र कुमार शर्मा, बदाँयू (उ०प्र०)

30. प्रेमचन्दः लोक जीवन के कथाकार 109–110
–विद्या कुमारी, गया (बिहार)

31. आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र का तुलनात्मक अध्ययन 111–114
–रामलेश, आजमगढ़ (उ०प्र०)

32. संचार साधन युवा अपराध 115–116
–अनिता कुमारी, नालंदा (बिहार)

33. कृषि श्रमिक एवं मनरेगा 117–119
–शांति कुमारी, अरवल (बिहार)

34. प्राचीन भारतीय लोकतांत्रिक सिद्धान्त : सम्प्रभुता 120–121
–1. अशोक कुमार त्यागी 2. आशुतोष कुमार मिश्रा, ग्वालियर (म०प्र०)

35. जनसंख्या नियंत्रण में पुस्तकालय की भूमिका 122–125
–कुसुम कुमारी, पटना (बिहार)

36. डिहरी–डालमिया नगर शहर की सामाजिक–आर्थिक समस्याएँ 126–128
–संजय कुमार, रोहतास (बिहार)

37. सामाजिक परिवर्तन तथा आर्थिक विकास में जाति व्यवस्था (एक समाज–वैज्ञानिक अध्ययन) 129–130
–अशोक कुमार सिंह, सारन (बिहार)

38. आधुनिकता और ग्रामीण जीवन 131–132
–विनय पासवान, गया (बिहार)

39. भारतीय संयुक्त परिवारों के ह्रास की मीमांसा 133–135
–प्रकाश प्रपन्न त्रिपाठी, चित्रकूट (उ० प्र०)

40. समाज पर बढ़ता इन्टरनेट का प्रभुत्व 136–137
–विनोद कुमार, फर्रूखाबाद (उ०प्र०)

41. भारत में भ्रष्टाचार 138–140
–चन्दन कुमार सिंह, बोध गया (बिहार)

42. उच्च शिक्षित महिलाओं में रोजगार की आकांक्षा 141–145
–पुनम कुमारी, बोध गया (बिहार)

43. युवा वर्ग एवं ग्रामीण अपराध 146–147
–अनिता कुमारी, नालंदा (बिहार)

44. कर्म के सिद्धान्त का महत्त्व 148–151
–जितेन्द्र गोपाल, जहानाबाद (बिहार)

45. जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास की अवरोधक 152–153
–कौशलेन्द्र कुमार सिंह, बोध गया (बिहार)

46. ग्रामीण मनोरंजन पर आधुनिकीकरण का प्रभाव 154–155
–निवेदिता कुमारी, बोध गया (बिहार)

47. थारू समाज में आधुनिक परिवर्तन 156–158
–सुदर्शन कुमार, पटना (बिहार)

48. दलित मानवाधिकार एवं कानून की वास्तविकता (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) 159–161
–प्रमोद कुमार, गया (बिहार)

49. ग्रामीण विकास एवं राष्ट्रीय ग्रामीण कार्यक्रम 162–164
–दिलीप कुमार, पटना (बिहार)

50. बहुमुखी प्रतिभा के धनी महामना पं0 मदन मोहन मालवीय (एक समाज वैज्ञानिक अध्ययन) 165–169
–महेश कुमार पाण्डेय, प्रतापगढ़ (उ0प्र0)

51. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य मे महामारी कारण एवं निवारण 170–171
–राजीव कुमार श्रीवास्तव, बलिया (उ0प्र0)

52. वर्णाश्रम व्यवस्था में भक्ति भावना 172–175
–गीतांजली कुमारी, जहानाबाद (बिहार)

53. जनसंख्या और विकास 176–179
–कौशलेन्द्र कुमार सिंह, बोध गया (बिहार)

54. ''ब्रिटिशकालीन ग्रामीण आर्थिक व्यवस्था'' 180–181
–सत्येन्द्र कुमार, मसौढ़ी (बिहार)

55. गांधी का कर्मवाद 182–183
–मीना कुमारी, धनबाद (झारखण्ड)

56. आव्रजन तथा सामाजिक गतिशीलता का स्वरूप (बोधगया के संदर्भ में एक अध्ययन) 184–186
–चन्द्रकांति देवी, पटना (बिहार)

57. पिछड़ी जाति कि शिक्षित महिलाओं एवं अशिक्षित महिलाएँ तथा विवाह सम्बन्धी निर्णय 187–189
–सविता गुप्ता, दाउदनगर (बिहार)

58. विकास खण्ड पवई (जनपद आजमगढ़) में परिवहन एवं संचार सुविधाओं का विवरण 190–191
–ममता सिंह, सुल्तानपुर (उ0प्र0)

59. दलित आन्दोलन की प्रकृति 192–195
–नीलम कुमारी, बोध गया (बिहार)

60. नासिरा शर्मा के कथा साहित्य में चित्रित पारिवारिक समस्याएं 196–199
–विद्या वर्मा, प्रतापगढ़ (उ0प्र0)

61. गॉधी का आत्म–ईश्वरवाद 200–201
–कृष्ण मुरारी, धनबाद (बिहार)

62. विधवाओं का वैक्तिक अध्ययन 202–205
–मंजीत सिंह, जौनपुर (उ0प्र0)

63. हिन्दी कविता के अवधूत कवि : महाकवि निराला 206–207
–मुकेश कुमार मिश्र, बस्ती (उ0प्र0)

64. विकास एवं राष्ट्रीय सामाजिक एकता 208–210
–विनोद कुमार, फर्रुखाबाद (उ0प्र0)

65. गया जिला में उग्रवाद के सामाजिक आयाम(आधार) एक समाजशास्त्रीय अध्ययन 211–213
–गिरिधारी यादव, हजारीबाग (झारखण्ड)

66. दलित जातियों में राजनैतिक गतिशीलता 214–216
–ओम प्रकाश कुमार, जहानाबाद (बिहार)

67. जनसंचार माध्यमों का उद्भव एवं विकास 217–219
–सुजीत कुमार यादव, आजमगढ़ (उ0प्र0)

68. मल्ल गणतंत्र और बौद्ध धर्म 220–223
–कवीन्द्र भगत, जहानाबाद (बिहार)

69. मुगलकाल मे नगरीय संस्कृति और समाज' 224–228
–राजु कुमार, पटना (बिहार)

70. महात्मा गान्धी : एक महान समाज सुधारक 229–231
–1. आभा वाजपेई, 2.पवन कुमार मिश्रा, ग्वालियर (म0प्र0)

71. **Literacy rate of Scheduled Castes in Bihar** 232–233
-Satendra Kumar

72. **Project Life Cycle and its Classification** 234–238
-Manoj Kumar

73. **New sky of E-commerce** 239–242
-Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)

74. **A Study Of Achievement Motive Of Traditional And Non-traditional Entrepreneurs** 243–245
-Kumari Nisha, Bhojpur (Bihar)

75. **Privatization** 246–249
-Kumar Aditya, Patna (Bihar)

76. **Infant and Child Mortality and Fertilityin Rural Gaya** 250–252
-Shahla Khanam, Bodh Gya (Bihar)

77. **Importance Of Banks In The Development of The Country** 253–256
-Rajeshwar Ram, Patna (Bihar)

78. **A review on Handedness and its role in cognitive functioning** 257–259
-Jaya Shukla, Roorkee (U.K.)

79. **Modern Conversation Management** 260–264
-Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)

80. **New Dimension International Communication** 265–267
-Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

81. **Mental Health Problems among Adolescents : An Urgent Challenge** **268—270**
-Atul Kumar Shukla, Mirzapur (U.P.)
82. **Urban Renrewal And Deconstruction Of Ara : 2019** **271—273**
-Shiv Kumar Singh, Rohtas (Bihar)
83. **Kuchbandiyas of Bundelkhand: Still a stigmatized Community** **274—279**
-B K Lodhi
84. **Evolution of Judicial Administration in India: A Critical Analysis** **280—284**
-Gaurav Kaushik, Agra (U.P.)
85. **Henry James: A Critical Analysis of His Art of Fiction** **285—288**
-Manisha, Madhubani, (Bihar)
86. **Caste Occupation of some Sub-castes of scheduled castes in Bihar** **289—290**
-Satendra Kumar
87. भक्तों पर भगवान की अहैतुकी कृपा **291—295**
—ईश्वर चन्द्र पाण्डेय, मऊ (उ0प्र0)
88. पुराणों का वर्तमान स्वरूप एवं ऐतिहासिक मूल्य **296—297**
—विवेकानन्द चौबे, जौनपुर (उ0प्र0)
89. ग्रामीण अंचल के लुप्तप्राय मनोरंजन **298—300**
—राजेश कुमार पाल, चित्रकूट (उ0प्र0)
90. अंधा युग : मानवता का संरक्षक **301—302**
—विद्या कुमारी, गया (बिहार)
91. ग्रामीण जीवन की व्यावसायिक गतिशीलता **303—304**
—सुषमा यादव, आजमगढ़ (उ0प्र0)
92. कामकाजी महिलाओं के भोजन संबंधी आदतों पर धर्म का प्रभाव **305—307**
—सुचिता कुमारी, पटना (बिहार)
93. राजा राममोहन राय एवं ब्रह्म समाज **308—310**
—सरोज शालिनी, बोधगया (बिहार)
94. ग्रामीण भारत में नातेदारी व्यवस्था का महत्त्व **311—312**
—निवेदिता कुमारी, बोधगया (बिहार)
95. भारत की कला एवं संस्कृति के विकास में मगध का योगदान **313—315**
—रंजन कुमार , बोधगया (बिहार)
96. दलितों में सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना उत्पन्न करने में डॉ० भीमराव रामजी अम्बेडकर का योगदान **316—317**
—मुन्नु कुमार, बोधगया (बिहार)
97. अनुसूचित जातियों में वैयक्तिक गतिशीलता **318—321**
—मनीष कुमार, बोधगया (बिहार)
98. समाज में महिलाओं का शैक्षणिक परिदृश्य **322—323**
—रघुवंश कुमार सिन्हा, बोधगया (बिहार)
99. गीता का कर्मयोग एवं उसकी प्रासंगिकता **324—325**
—गीतांजली कुमारी, जहानाबाद (बिहार)
100. नागार्जुन के काव्य में वर्णित लोकजीवन **326—329**
—मुकेश कुमार झा, बलिया (उ0प्र0)
101. आयु विष्लेषण की विधियाँ **330—331**
—ब्रजेश कुमार पाण्डेय, बलिया (उ0प्र0)

102. बौद्ध धर्म भिक्षु, भिक्षुणी और संघ: एक अध्ययन 332–333
–देवेन्दु आलोक, बलिया (उ0प्र0)
103. कृषि श्रमिक एवं मनरेगा 334–336
–शांति कुमारी, अरवल (उ0प्र0)
104. ग्रामीण स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ 337–339
–जय प्रकाश, सिवान (बिहार)
105. मालवीय जी की शिक्षा विषयक दृष्टि एवं उनके शैक्षिक अवदान 340–341
–प्रमोद कुमार चौरसिया, गोरखपुर (उ0प्र0)
106. शिक्षित महिलाओं पर दूरदर्शन का प्रभाव 342
–संयुक्ता कुमारी, बोधगया (बिहार)
107. गया जिला के सेनानी ग्राम की सुजाता 343–345
–मनोज कुमार , बोधगया (बिहार)
108. **Nature Of Project Complexity In Five-dimensional Project Management** 346–348
-Manoj Kumar
109. **Native Efforts For Prohibition Of Sati** 349–350
-Ashok Kumar, Bodh-Gaya (Bihar)
110. **Rural and Agricultural Credit in India** 351–353
-Dinesh Kumar, Ballia (UP)
111. सैदपुर तहसील में भूमि संसाधन एवं जनसंख्या समस्या 354–356
–अतुल कुमार सिंह, गाजीपुर (उ0प्र0)
112. भारतीय ग्रामीण समुदाय एवं संचार माध्यम 357–358
–अजीत कुमार, बोध गया (बिहार)
113. नगरीकरण एवं अन्तर्जातीय विवाह 359–360
–रिंकु सिंह, बोध गया (बिहार)
114. मध्यकालीन साहित्यों का : एक अध्ययन 361–362
–रंजीत सिंह , बोध गया (बिहार)
115. एक अनुसूचित जाति के श्रमिक वर्ग में पोषणीय स्थिति 363–364
–मुन्नु कुमार, बोध गया (बिहार)
116. **Development And Standardization Of Probiotic By Using Jamun Seed And Pulp** 365–369
-1. Aarohi Sharma, Lucknow (U.P.) **- 2. Dr. Neelima Garg,** Lucknow (U.P.)
-3. Dr. Neetu Singh, Lucknow (U.P.) **-4. Shashikant Tripathi,** Lucknow (U.P.)
117. **Level of aspiration** 370–371
-Sangita kumari, Bhojpur (BIHAR)
118. **Role of Print and Electronic Media in Curbing Violence against Women** 372–379
-1. Daleep Kumar, Chitrakoot (UP) **-2. Manish Kumar,** Chitrakoot (UP)
119. **Literacy rate of Scheduled Castes in Bihar** 380–382
-Satyendra Kumar
120. ग्रामीण समुदाय में सजातीयता का ह्रास 383–366
–दिलीप कुमार यादव, जौनपुर (उ0प्र0)
121. मालदीव में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता 387–389
–मनीषा सिंह, कुशीनगर (उ0प्र0)

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

122. वर्तमान परिप्रेक्ष्य मे वैश्वीकरण के सामाजिक आर्थिक प्रभाव **390–392**
–निरपेन्द्र कुमार सिन्हा, इटावा (उ0प्र0)
123. लल्लू लाल जी के प्रेम सागर पर वेदव्यास का प्रभाव **393–394**
–अन्नपूर्णा राय, गोरखपुर (उ0प्र0)
124. शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थाओं के संदर्भ में अध्यापकों की भाषायी दक्षता का आवासीय पृष्ठभूमि के आधार पर अध्ययन **395–397**
–1. प्रमोद कुमार पाण्डिया 2. सतीश चन्दसरदारशहर (राजस्थान)
125. सैदपुर तहसील में साक्षरता **398–400**
–अतुल कुमार सिंह, गाजीपुर (उ0प्र0)
126. स्वतंत्रता के पश्चात् स्त्रियों की स्थिति **401–403**
–कुमारी भारती, बोध गया(बिहार)
127. सामान्य अपराधी का मनोविज्ञान **404–406**
–अवध किशोर सिंह, पटना (बिहार)
128. शिक्षित कामकाजी महिलाओं की परिवार में परिस्थिति एवं भूमिका **407–408**
–गीता कुमारी, बोध गया (बिहार)
129. शिक्षिकाओं के बदलतें पारिवरिक मूल्य **409–410**
–संयुक्ता कुमारी, बोध गया (बिहार)
130. भूमंडलीकरण **411–413**
–बबलू कुमार भट्ट, एटा (उ0प्र0)
131. **The Problem And Disadvantaged Children May Reflect Their Inner Need And Deviant Throught Process In Their Creative Work** **414–415**
-**Madhava Kumar**, Jehanabad (Bihar)
132. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना एवं समाजिक परिवर्तन **416–417**
–रीना कुमारी, बोध गया (बिहार)
133. विवाह में आधुनिक परिवर्तन एवं नगरीकरण **418–419**
–रिंकु सिंह, बोध गया (बिहार)
134. भारत में प्रजातंत्र की चुनौतियाँ **420–422**
–शैलेश कुमार, रामपुर (उ0प्र0)
135. **Physical Violence in Anita Desai's Novels** **423–425**
-**Priyanka Rai**, Gorakhpur (U.P.)
136. नयी कविता के सारसः केदारनाथ सिंह **426–428**
–हर्षलता शाह, चेन्नई (तमिलनाडु)
137. बिहार के बौद्ध महाविहारों का अध्ययनः नालन्दा महाविहार के सन्दर्भ में **429–431**
–राहुल कुमार झा, पटना (बिहार)
138. स्त्री कहानी की स्तंभ'बंगमहिला' **432–434**
–मनीषा यादव, प्रयागराज (उ0प्र0)
139. दक्षिण भारतीय इतिहास में : संगम साहित्य **435–436**
–राजु कुमार, बोधगया (बिहार)
140. भूगोल में पुनर्जागरण काल की उपलब्धियां **437–438**
–भोलेन्द्र प्रताप सिंह, गाजीपुर (उ0प्र0)
141. महाकवि नीलकण्ठ दीक्षित **439–441**
–ओम प्रकाश तिवारी, बलिया (उ0प्र0)

142. बदलते हुए सामाजिक परिवेश में पारिवारिक संरचना — 442–443
–पूनम कुमारी, बोध गया (बिहार)

143. भारत में समिति व्यवस्था का प्रारम्भ विकास एवं उसका वर्तमान स्वरूप — 444–445
–शैलेश कुमार राय, बलिया (उ0प्र0)

144. एकता, समन्वय एवं सामन्जस्य की दृष्टि में भारतीय संस्कृति का गवेषणात्मक अनुशीलन — 446–448
–सुधीर कुमार पाण्डेय, अम्बेडकरनगर (उ0प्र0)

145. नई विश्व व्यवस्था मे गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का उपयोग — 449–451
–रेखा पाण्डेय, देवरिया (उ0प्र0)

146. विनोबा भावे का राजनीतिक चिंतन : दलविहीन लोकतंत्र के परिप्रेक्ष्य में — 452–453
–राजित राम यादव, अम्बेडकरनगर (उ0प्र0)

147. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत एकल एवं संयुक्त परिवार की महिला शिक्षिकाओं का तुलनात्मक अध्ययन — 454–456
–अर्चना श्रीवास्तव, मुज्जफरपुर (बिहार)

148. भूमि सुधार एवं नक्सलवादी आंदोलन — 457–460
–अरूण कुमार, पटना (बिहार)

149. ग्रामीण विकास में पंचायती राज की भूमिका — 461–463
–संजीव कुमार, पटना (बिहार)

150. शिशुओं का आहार एवं पूरक आहार — 464–466
–सूर्यकान्ति कुमारी, पटना (बिहार)

151. अटल बिहारी वाजपेयी की गठबन्धन राजनीति — 467–469
–प्रकाश प्रपन्न त्रिपाठी, चित्रकूट (उ0 प्र0)

152. भारत में पंचायत राज : औचित्य एवं चुनौतीयाँ — 470–472
–शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय, मऊ (उ0प्र0)

153. बिहार पंचायती राज व्यवस्था में पंचायत समिति की भूमिका — 473–475
–राजेश कुमार सिंह, आरा (बिहार)

154. **Reasoning Ability among High School Students** — 476–477
-Rabiya Fatima, Gaya (Bihar)

155. बिहार में जल समस्या एवं समाधान : मगध क्षेत्र के विशेष संदर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन — 478–479
–रंजना कुमारी, बोधगया (बिहार)

156. पंचायत राज में चुनाव प्रणाली — 480–482
–रामभजु राम, गोपालगंज (बिहार)

157. पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु समय की आवश्यकता : सतत विकस — 483–486
–आशुतोष त्रिपाठी, प्रतापगढ़ (उ0प्र0)

158. **Changing Socio-Economic situation in Rural India** — 487–489
-Babita Kumari, Ara (Bihar)

159. अलाउद्दीन खिलजी का आर्थिक सुधार व बाजार नियंत्रण : एक अवलोकन — 490–492
–सैयद हुमायूँ अख्तर, आरा (बिहार)

160. ग्रामीण युवकों में नशीले पदार्थों के सेवन से मुक्ति के उपाय — 493–497
–अखिलेश कुमार सरोज, जौनपुर (उ0प्र0)

161. साहित्यिक पत्रकारिता के अग्रदूत भारतेन्दु हरिश्चन्द 498–502
–दयानन्द पाण्डेय, महराजगंज (उ0प्र0)
162. नर्सिंग व्यवसाय में प्रशिक्षण का महत्व 503–504
–मिनु मिन्ज, गया (**बिहार**)
163. डॉ0 लोहिया और महात्मा गाँधी – एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण 505–506
–संगीता यादव, आजमगढ़ (उ0प्र0)
164. प्रसन्नराघव नाटक के द्वितीय अंक का महत्व 507–509
–संतोष कुमार, गोरखपुर, (उ0प्र0)
165. प्राचीन भारतीय स्थानीय शासन व्यवस्था में कृषि 510–512
–सूर्यदेव सिंह, पटना (**बिहार**)
166. **Urban Renewal And Deconstruction Of Ara** 513–515
-Shiv Kumar Singh, Rohtas, (Bihar)
167. किरातार्जुनीयम् में वर्णित राजनीतिक परिस्थिति 516–519
–विद्या विन्द, जौनपुर (उ0प्र0)
168. बिहार राज्य में पंचायती व्यवस्था एवं जन–सहभागिता 520–523
–राजेश कुमार सिंह, आरा (**बिहार**)
169. कबीर की दार्शनिक संवेदना 524–527
–अखंड प्रताप सिंह, खलीलाबाद, (उ0प्र0)
170. बालिका शिक्षा केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता 528–530
–दयाशंकर सिंह यादव, चन्दौली (उ0प्र0)
171. **A Psycho spiritual Analysis of Chakra based on Shivasutra and Its Therapeutic Implication** 531–535
-1. DR. Pranay Kumar Tripathi, 2. Shweta Srivastava , Ayodhya, (U.P.)
172. भारतीय जीवन बीमा निगम के विनियोगों का विश्लेषण 536–542
–1. करुणानिधि गर्ग, 2. डॉ0 पुष्पेन्द्र सिंह, हाथरस (उ0प्र0)
173. **Mahatma Gandhi Vs. Karl Marx on Socialism** 543–547
-DR. Archana Shrivastava, Kanpur (U.P.)
174. **Modernity and Multicultural Identities** 548–551
-DR. D.C.Srivastava, Kanpur (U.P.)
175. यादों में रची बसी मन्नू भंडारी 552–555
–प्रियेश कुमार तिवारी, रीवा (म0प्र0)
176. समीक्षावादी चित्रों का कला तत्वों एवं सिद्धान्तों से आधार पर समीक्षा एवं मूल्यांकन 556–560
–डॉ0 अमृत लाल, मेरठ (उ0प्र0)
177. **Forest As A Sources Of Subsidiary Employment** 561–562
-DR. Akhilesh Kumar, Moradabad (U.P.)
178. महात्मा बुद्ध के शैक्षिक विचारों में नारी शिक्षा की स्थिति का एक अध्ययन 563–567
–प्रज्ञा बौद्ध, लखनऊ (उ0प्र0)
179. महादेवी वर्मा की गद्य रचनाओं में चित्रित नारी विमर्श 568–571
–डॉ0 वंदना पाण्डेय, मुरादाबाद (उ0प्र0)
180. युगद्रष्टा कहानीकार प्रेमचन्द 572–575
–डॉ0 राम अधार सिंह यादव, सम्भल (उ0प्र0)
181. चीन–पाकिस्तान गठजोड़ और भारतीय सुरक्षा चिंता 576–579
–डॉ0 दीप कुमार श्रीवास्तव, सम्भल (उ0प्र0)
182. ग्रामीण परिवेश में कार्यरत तथा गैर–कार्यरत महिलाओं के बच्चों की शैक्षिक उपलब्धियों का मूल्यांकत्नात्मक अध्ययन 580–583
–डॉ0 अजीता रानी, रामपुर (उ0प्र0)

183. **Multi-objective distributed reentrant permutation flow shop scheduling** 584—586
-**DR. Jitendra Singh**, Moradabad (U.P.)

184. आगरा जनपद में ग्रामीण एवं नगरीय पेयजल आपूर्ति का भौगोलिक विश्लेषण 587—590
—1. डॉ0 एस0के0 निमेष, मैनपुरी, 2. राजीव कुमार, आगरा (उ0प्र0)

185. डॉ0 मदन डागा के काव्य में भाषा—चेतना 591—593
—डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद खीचड़, बीकानेर (राजस्थान)

186. **Philosophy Of Resilience In The Poems Of Robert Browning** 594—596
-**DR. Rashmi Dubey**, Kanpur (U.P.)

187. **White Collar Crimes In India** 597—603
-**Firoz Ansari**, Agra (U.P.)